1177
01/02/16

खण्ड-12 संख्या-5

बिहार विधान सभा वाद वृत्त

वृहस्पतिवार, तिथि 2 जुलाई 1998 ई०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा

का

कार्य-विवरण

सभा का अधिवेशन पटना के सभा सदन में

वृहस्पतिवार, तिथि 2 जुलाई 1998 ई० को पूर्वाह्न 11:08 बजे

अध्यक्ष, श्री देवनारायण यादव के सभापतित्व में प्रारम्भ हुआ।

23

23

24

बिहार विधान-सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 295 एवं 296 के अनुसरण में बिहार विधान-सभा सचिवालय की कार्यवाही शाखा द्वारा प्रकाशित एवं निजी प्रेस द्वारा मुद्रित।

देने की कोशिश करें।

श्री रामाश्रय प्रसाद सिंह - हमलोगों की जानकारी में एक माइनोरिटि का आदमी और पौलिटिकल पार्टी का लीडर मारा गया है। सरकार से कहा गया है कि इस पर ऐक्शन लेकर तुरंत इस सदन को जानकारी दें। मेरा सुझाव है कि इसकी जांच डी.जी.पी. या गृह आयुक्त से कराई जाय। उनको जांच के लिये भेजा जाय। 22 घंटे के बाद कांग्रेस की टीम वहां पहुंची है तब तक यानी 22 घंटे बीत जाने के बाद भी इसपर प्राथमिकम दर्ज नहीं की गयी थी। यह बहुत आश्चर्य की बात है। मालूम होता है कि मामला को रफा दफा करने की कोशिश की जा रही है।

श्री उपेन्द्र प्रसाद वर्मा - हमने इस मामले की सीरियसली लिया है। हम इसकी जांच करा लेंगे और अध्यक्ष महोदय, आपको संतुष्ट कर देंगे।

अध्यक्ष : श्री विश्वमोहन कुमार।

(ङ) दोषी पदाधिकारी के विरूद्ध कार्रवाई

श्री विश्वमोहन कुमार - अध्यक्ष महोदय, पिपरा-त्रिवेणीगंज पथ की हालत जर्जर हो गयी है आये दिन दुर्घटना होती रही है। इसका स्थायी निदान न करके कार्यपालक अभियन्ता ने मात्र 5-6 कि.मी. में मिट्टी कार्य मो. 47000/- का कार्य दिखलाया गया है लेकिन सतह कार्य पर नहीं किया गया है। मुश्किल से 5000/-का कार्य किया गया है। अतः दोषी पदाधिकारी के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग करता हूं। अध्यक्ष महोदय, कार्यपालक अभियंता ने इस काम में संवेदक से मैनेज करके चार लाख रुपये का गठन किया है इसलिये कार्य पालक अभियन्ता के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई करने का मैं सरकार से आग्रह करता हूं।

(च) भवन का निर्माण

डा. विनोद कुमार यादवेन्दु - अध्यक्ष महोदय, गया जिलान्तर्गत स्वास्थ्य

विभाग के द्वारा आई.पी.पी.-7 के तहत 6 शय्यावाले स्वास्थ्य केन्द्र मानपुर प्रखण्ड के ग्राम सोनौत नगर प्रखंड के प्रेतशिला नामक स्थान में तथा परैया प्रखंड के कष्ठा रेलवे स्टेशन के पास अस्पताल का कार्य निर्माणधीन लगभग 3 वर्षों से है। जिला पदाधिकारी एवं समाहर्त्ता गया ने भवन निमार्ण के लिये कार्यपालक अभियन्ता भवन प्रमंडल गया को उपलब्ध करा दिया किन्तु कार्यपालक अभियन्ता श्री शर्मा ने सारी राशि निकालकर गबन कर लिया। अतः जनहित में तीनों स्वास्थ्य केन्द्रों का स्थल निरीक्षण कर भवन को पूर्ण कराने का निवदेन करता हूं।

श्री शिववचन यादव - अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय से इस पर जवाब दिलवाइए ।

अध्यक्ष - माननीय सदस्य, आप बैठिये ना, आप क्यों कहते हैं कि माननीय मंत्री जवाब दें, माननीय मंत्री नोटिस ले रहे हैं, हमारे सामने आया है, इसको वे देखेंगे।

श्री शिववचन यादव - महोदय, आपके सामने माननीय मंत्री महोदय ने नोटिस नहीं लिया है।

अध्यक्ष - आप बैठिये ना ।

श्री शिववचन यादव - महोदय, वहां सारा का सारा पैसा डकार लिया गया है और काम नहीं हुआ है, इस पर माननीय मंत्री से जवाब दिलवाइये।

अध्यक्ष - आप बैठिये ना ।

श्री प्रदीप कुमार बालमुचु - अध्यक्ष महोदय, ...

अध्यक्ष - आप किस चीज पर बोल रहे हैं ?

श्री प्रदीप कुमार बालमुचु - महोदय, मैं शून्यकाल पर बोल रहा हूं।

अध्यक्ष - शून्यकाल तो अब खत्म हो गया, आपने लिखकर नहीं दिया है,

अगर आप शिष्टचार दिखाइये तो कल आप इसे लिखकर दीजियेगा।

श्री फुरकान अंसारी - ये आदिवासी हैं हुजूर, बोलने दिया जाय।

अध्यक्ष - आदिवासी है, तो मैंने तो कहा कि कल लिखकर दीजियेगा।

माननीय सदस्य श्री देवनाथ यादव ।

(छ) सड़क की जर्जर स्थिति

श्री देवनाथ यादव - अध्यक्ष महोदय, दरभंगा, सकरी, झंझारपुर, फुलपरास, निर्मली, कोनौली बोर्डर और दरभंगा, किबोटी, रहिका, जयनगर, लदनियां, लोकही समेत मिथिलांचल के तमाम सड़कों की स्थिति जर्जर है। जब हम मुजफ्फरपुर से दरभंगा की ओर बढ़ते हैं तो दिन में भी सड़क खोजना पड़ता है और जब हम दरभंगा से आगे बढ़ते हैं तो सड़क कहीं भी नजर नहीं आती है और फिर हम आगे बढ़ते हैं तो गौसाघाट, पैटघाट, झंझारपुर पुल ध्वस्त हो चुका है और सम्पूर्ण मिथिलांचल का रास्ता राजधानी पटना से कटा हुआ है। न तो हम दरभंगा से जयनगर होकर राजधानी आ सकते हैं और न ही दरभंगा, सकरी, फुलपरास, झंझारपुर होकर राजधानी पटना पहुंच सकते हैं, तो अध्यक्ष महोदय, इससे निर्लज्जता की बात और क्या हो सकती है ?

महोदय, पथ निर्माण मंत्री से पूछा जाय, हमने इसके सम्बन्ध में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था, तारांकित प्रश्न के जरिये इस सवाल को उठाया था लेकिन आज तक माननीय मंत्री जी ने इस सम्बन्ध में कुछ नहीं किया है, तो फिर ऐसे मंत्री का मंत्री पद पर बने रहने का क्या औचित्य है? महोदय, सम्पूर्ण मिथिलांचल के लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, ट्रेन की छतों पर जान जोखिम में डालकर मिथिलांचल के लोग राजधानी पटना आते हैं और सारा सड़क मार्ग अवरूद्ध हो गया है। अध्यक्ष महोदय, बरसात के पहले यह हालत है तो फिर बरसात में और उसके बाद क्या हालत होगी, यह सोचा जा सकता है, इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि माननीया मुख्यमंत्री